(144)

उत्तराखण्ड शासन,
संस्कृति, खेल एवं युवा कल्याण विभाग,
संख्या–323 /VI-2/2012–82(17)/2012
देहरादूनः दिनांकः 07 मई, 2012
जून

प्रमुख सचिव/सचिव/प्रभारी सचिव,
पर्यटन, पेयजल, आवास, विद्युत, लोक निर्माण विभाग,
खाद्य, चिकित्सा, वन विभाग, युवा कल्याण,, गृह,
परिवहन एवं नागरिक उडड्यन, पशुपालन, उद्यान, सूचना विभाग,
प्रौद्योगिकी विज्ञान, शिक्षा विभाग, आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ/एन0आई0सी0,
उत्तराखण्ड शासन।

श्री नन्दादेवी राजजात, 2013 के आयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा सहायता प्रदान किये जाने विषयक श्री भुवन नौटियाल, महामंत्री, श्री नन्दादेवी, राजजात समिति नौटी, जनपद चमोली के पत्र दिनांक 14 मई, 2012 की छायाप्रति संलग्न कर इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि कृपया अपने विभाग से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से प्रत्यावेदक एवं इस विभाग को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक– यथोपरि।

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।

पृष्ठांकन संख्या– /VI–2/2012–81(17)/2012 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि उप सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग–1 के पत्र सं0 VIP/542/XXXV-1/2012(3) दिनांक 23–4–2012 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।

मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-1
संख्या-VIP/542 /XXXV-1/2012(3)
दिनांक 23/4/2012

श्री नन्दादेवी राजजात समिति नौटी

जनपद–चमोली (उत्तराखण्ड)

भुवन नौटियाल
महामंत्री

शिविर कार्यालय :
अपर बाजार, कर्णप्रयाग (चमोली) – 246444
दूरभाष : 01363–244257 / मोब. 9456307927

पत्रांक /

दिनांक : 14 मार्च 2012

सेवा में,
माननीय श्री विजय बहुगुणा जी
मुख्यमंत्री
उत्तराखण्ड सरकार
देहरादून

कार्यालय–मंत्री, समाज कल्याण
एवं परिवहन, उत्तराखण्ड शासन
पत्रांक 112 दी.आई.पी. / 2012
दिनांक 12.04.2012

विषय : हिमालयी महाकुम्भ श्री नन्दादेवी राजजात 2013 के आयोजन हेतु राज्य सरकार से तत्काल

महोदय,

श्री नन्दादेवी राजजात समिति आपको उत्तराखण्ड का मुख्यमंत्री निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देती है।

जैसा कि आप अवगत हैं कि वर्ष 2013 के माह अगस्त – सितम्बर में हिमालयी महाकुम्भ श्री नन्दादेवी राजजात 2013 का आयोजन 13 वर्षों के बाद होना सुनिश्चित है। विगत सरकार द्वारा यात्रा को महाकुम्भ स्तर पर आयोजित करने के लिए विगत वर्ष 5 करोड़ रुपये की टोकन मनी, वर्ष 2011–12 के राज्य के बजट में यात्रा के लिए पृथक प्राविधान रखा गया था तथा अनेक बार यात्रा को महाकुम्भ स्तर पर आयोजित करने, श्री नन्दादेवी राजजात प्राधिकरण के गठन, श्री नन्दादेवी संग्रहालय की नौटी में स्थापना सहित अनेक घोषणायें की गयी थीं। यात्रा से सम्बन्धित पक्षों व जनप्रतिनिधियों की अनेक बैठकें आयोजित भी हुई थीं।

यात्रा के लिए समय काफी कम है। इस सचल महाकुम्भ में एक करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की पूर्ण संभावनायें हैं। यदि समय पर ढांचागत व्यवस्था के लिए त्वरित कार्यवाही नहीं होती है तो अव्यवस्थाओं से किसी बड़ी दुर्घटना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। समिति द्वारा अनेक प्रस्ताव राज्य/केन्द्र सरकारों को दिये जा चुके हैं। श्री नन्दादेवी राजजात 2013 के भव्य आयोजन हेतु निम्न प्रस्तावों पर तत्काल निर्णय/कार्यवाही प्रार्थनीय है :–

1. श्री नन्दादेवी राजजात प्राधिकरण का गठन

यात्रा की सुव्यवस्था के लिए हरिद्वार कुम्भ प्राधिकरण की भांति श्री नन्दादेवी राजजात प्राधिकरण का गठन किया जाये, जो सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार हो। प्राधिकरण तत्काल कार्य करना प्रारम्भ कर दें।

विगत यात्रा वर्ष 2000 में मुख्य सचिव, आयुक्त, जिलाधिकारी एवं पड़ाव अधिकारी स्तर पर अनेक समितियां गठित थीं, फिर भी अव्यवस्था के कारण 5 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गयी थी। ऐसे में सुव्यवस्था हेतु जिम्मेदार प्राधिकरण का गठित किया जाना नितान्त आवश्यक है।

2. केन्द्र सरकार से एक हजार करोड़ रुपये की विशेष पैकेज का प्रस्ताव

राज्य सरकार केन्द्र सरकार से वर्ष 2012–13 के वार्षिक बजट में श्री नन्दादेवी राजजात 2013 के आयोजन हेतु ढांचागत व्यवस्थाओं के निर्माण व सुदृढ़ीकरण हेतु एक हजार करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज का प्राविधान रखने का प्रस्ताव तत्काल प्रेषित करे।

समिति पूर्व में ही केन्द्र सरकार को प्रस्ताव प्रेषित कर चुकी है जिस पर कार्यवाही भी चल रही है। प्रस्ताव की प्रति संलग्न है।

राज्य सरकार के प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने में विलम्ब नहीं होगा।

3. राज्य सरकार के वर्ष 2012-13 के बजट में 500 करोड़ रुपये के प्राविधान का प्रस्ताव

राज्य सरकार वर्ष 2012–13 के वार्षिक बजट में हिमालयी सचल महाकुम्भ श्री नन्दादेवी राजजात 2013 के आयोजन हेतु 500 करोड़ रुपये का प्राविधान रखे ताकि तत्काल किये जाने वाले कार्य प्रारम्भ हो सकें।

4. श्री नन्दादेवी संग्रहालय की स्थापना

पूर्व में घोषित राजगुरु पंडित देवराम नौटियाल की स्मृति में नौटी (चमोली) में श्री नन्दादेवी संग्रहालय की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की जाये।

5. जिलाधिकारियों से आगमन सहित प्रस्ताव मांगना

यात्रा से सम्बन्धित जनपद चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा व नैनीताल के जिलाधिकारियों से यात्रा के मुख्य एवं सहायक यात्रा मार्गों, पड़ावों में ढांचागत व्यवस्थाओं के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न प्रस्ताव सम्बन्धित पक्षों गांवों व जनप्रतिनिधियों से विचार विमर्श करने व यात्रा मार्गों पर स्थलीय निरीक्षण जिम्मेदार अधिकारियों की पदयात्रायें करवाकर एक माह में मंगाये जायें।

यात्रा के पड़ावों व यात्रा मार्ग से सम्बन्धित विस्तृत प्रस्ताव संलग्न हैं। इन प्रस्तावों पर जिलाधिकारियों से आख्या मंगायी जाये।

संलग्नक :

- राज्य/केन्द्र सरकार से सम्बन्धित विस्तृत प्रस्ताव।

भवदीय,

(भुवन नौटियाल)
महामंत्री

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आ.का. हेतु–

- सम्बन्धित मंत्रीगण उत्तराखण्ड सरकार, देहरादून
- क्षेत्रीय सांसद/विधायक गण, उत्तराखण्ड
- आयुक्त गढ़वाल एवं कुमाऊं मण्डल विकास निगम
- जिलाधिकारी चमोली/बागेश्वर/अल्मोड़ा/नैनीताल

(भुवन नौटियाल)
महामंत्री

हिमालयी महाकुम्भ श्री नन्दादेवी राजजात 2013 के आयोजन हेतु

राज्य सरकार से सम्बन्धित प्रस्ताव

(1) पर्यटन

1. पर्यटन विभाग को यात्रा व्यवस्थाओं के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार बनाया जाये।
2. भारत सरकार के स्वीकृत पर्यटन ग्रिडों पर तत्काल कार्य प्रारम्भ हो।
3. मुख्य यात्रा मार्ग एवं 234 सहायक यात्रा मार्गों के देवी देवताओं के मन्दिरों का सौन्दर्यीकरण उत्तराखण्ड की स्थापत्य कला के अनुरूप किया जाये जिसके लिए पृथक पुरातत्व इकाई का गठन हो।
4. यात्रा बरसात के दौरान है यात्रियों को ठहरने के लिए पड़ाव व यात्रा मार्ग पर पंडाल व टेन्ट कॉलोनियों का निर्माण कराया जाये।
5. वेदनी कुण्ड का विस्तार किया जाये।
6. वाण से वेदनी, आली बुग्याल तक रोप–वे का निर्माण हो।
7. ~~गढ़वाल~~ विश्राम गृहों की क्षमता वृद्धि व सुदृढ़ीकरण किया जाये।(गढ़वाल एवं कुमाऊ मंडल विकास निगम)

(2) पेयजल

1. गढ़वाल, कुमाऊ जल संस्थान, जलनिगम, स्वजल को यात्रा के पड़ावों, यात्रा मार्ग के गांवों में वर्तमान पेयजल योजना की क्षमता वृद्धि करने, मार्ग में कुम्भ पैटर्न की टंकियों का निर्माण करवाया जाये।
2. हिमालयी क्षेत्र में सर्वेक्षण कर पूर्व की भांति रबड़ के पाईपों से यात्रा मार्ग पर पेयजल उपलब्ध कराया जाये।

(3) आवास

1. प्रत्येक पड़ाव में 50 लाख रुपये का बारातघर निर्मित किया जाय।
2. यात्रा मार्ग की सभी शिक्षण संस्थाओं, अस्पतालों आदि सरकारी विभागों के पूर्ण भवनों का निर्माण कराया जाये जो आवास में प्रयोग में लाये जा सकते हैं।
3. टेन्ट कॉलोनियों की स्थापना के लिए निगम व प्राइवेट संस्थाओं, दानी संस्थाओं का सहयोग लिय जाये।
4. हिमालयी क्षेत्र में सेना, आई.टी.बी.पी., एस.एस.बी., बॉर्डर स्काउट आदि की सहायता ली जाये।
5. पड़ाव के सभी वर्तमान पंचायत घरों की मरम्मत करायी जाये तथा उनमें कम से कम 1000 बिस्तरों, तिरपालों, 100 पेट्रोमेक्स की व्यवस्था हो।
6. यात्रा मार्ग के लो.नि.वि.वन, सिंचाई, गढ़वाल कुमाऊं मंडल विकास निगमों आदि के वर्तमान बंगलों की क्षमता दूनी करते हुए उन्हें सुसज्जित किया गया।

(4) विद्युत

1. पड़ावों पर अतिरिक्त ट्रान्सफार्मर व्यवस्था हो।
2. सम्पूर्ण यात्रा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था हो।
3. आदिबद्री, बगोली, लोहागंज व सितेल में 33 के.वी. के सब स्टेशन स्थापित किये जायें। वर्तमान 33 केवी. सब स्टेशन नौटी, नारायणबगड़, देवाल, घाट की क्षमता वृद्धि की जाये।
4. पड़ावों पर जनरेटर व्यवस्था हो।
5. पड़ावों के मन्दिर व गांवों को आकर्षक रूप से यात्रा के दौरान विद्युत से सजाया जाये।

(5) वैकल्पिक उर्जा

1. पड़ाव तथा पड़ाव के दोनो ओर वैकल्पिक उर्जा की 3–3 कि.मी. तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था हो।
2. सम्पूर्ण यात्रा मार्ग के गांवों को रियायती दर पर वैकल्पिक उर्जा के विभिन्न उपकरण रोशनी, पानी गर्म करने, खाना बनाने आदि के उपकरण लगाये जायें।
3. हिमालयी क्षेत्र में प्रकाश व मोबाइल तथा कैमरे की बैटरी चार्ज करने के लिए आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध करायी जाये।

(6) स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, स्वच्छता

1. प्रत्येक पड़ाव पर अस्थायी अस्पताल की स्थापना हो।
2. पड़ाव व यात्रा मार्ग पर स्थित अस्पताल सुसज्जित, आवश्यक दवाइयों, चिकित्सकों स्टाफ आदि से अच्छादित हों।
3. 108 सेवा पड़ाव व यात्रा मार्ग पर दोनों ओर से उपलब्ध हो।
4. हिमालयी क्षेत्र में तीर्थयात्रियों के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर व जीवन रक्षक दवाइयां वाण में उपलब्ध करायी जायें।
5. वाण गांव से आगे बगैर स्वास्थ्य परीक्षण के यात्रियों के जाने पर पूर्ण प्रतिबन्ध हो।
6. यात्रा मार्ग पर सचल अस्पताल उपलब्ध हो।
7. स्वास्थ्य सुविधायों के लिए सेना, आई.टी.बी.पी., एस.एस.बी., बॉर्डर स्काउट देहरादून, श्रीनगर, हल्द्वानी के मेडिकल कॉलेज, हिमालय अस्पताल ज्योलीग्रांट, महंत इन्द्रेश अस्पताल, देश की विभिन्न सेवा संस्थाओं की सहायता ली जाये।
8. यात्रा के पड़ाव व यात्रा मार्ग के गांवों को निर्मल ग्राम योजना में शामिल किया जाये। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ हो।
9. पड़ाव व यात्रा मार्ग पर यात्रा से पूर्व एवं पश्चात एक सप्ताह तक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। कूड़ा निस्तारण एवं छिड़काव की व्यवस्था हो।
10. पड़ाव व यात्रा मार्ग पर अस्थायी मूत्रालय व शौचालयों का निर्माण हो।
11. आदिबद्री, नारायणबगड़, थराली, देवाल, ग्वालदम, घाट में सुलभ शौचालयों का निर्माण किया जाये।

(7) व्यवस्था

1. प्रत्येक पड़ाव पर जिला स्तरीय अधिकारी यात्रा से एक वर्ष पूर्व पड़ाव अधिकारी के रूप में तैनात किया जाये। जिनके साथ सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी भी तैनात हों, जो पड़ाव व पड़ाव के दोनों ओर के आधे–आधे मार्ग की व्यवस्था को पूरी तरह देखने के लिए जिम्मेदार हों।
2. यात्रा में सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट तैनात हों।
3. प्रत्येक पड़ाव का ले–आउट तैयार कर दुकानों, ढाबों व यात्रा में आने–जाने वाले वाहनों को खड़ा करने के लिए स्थान चिन्हित किये जायें।
4. प्रत्येक पड़ाव में मन्दिर व मेला क्षेत्र के खेतों को खाली रखने के लिए भूस्वामियों को मुआवजा दिया जाये।

(8) सुरक्षा व्यवस्था

1. राजस्व पुलिस, होमगार्ड व पुलिस की पड़ाव व यात्रा मार्ग पर तैनाती हो तथा ट्रैफिक पुलिस भी तैनात हो।
2. प्रत्येक पड़ाव पर मेला थाना एक सप्ताह के लिए मेले के पूर्व व बाद तक के लिए स्थापित किया जाये।
3. हिमालयी क्षेत्र में सेना, आई.टी.बी.पी./एस.एस.बी./बॉर्डर स्काउट, पुलिस, राजस्व पुलिस की व्यवस्था हो।
4. प्रत्येक पड़ाव पर वायरलैस स्टेशन स्थापित हों सचल वायरलैस भी यात्रा में हों।
5. यात्रा की देखरेख हैलीकॉप्टर से हो।
6. प्रत्येक पड़ाव पर कन्ट्रोल रूम बनाये जायें। पूरे मेला क्षेत्र को ध्वनि विस्तारकों से समृद्ध किया जाये।

...के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए आपदा टीम आवश्यक साज सामान के साथ ...पलब्ध हों।

अधिकारियों के पास वायरलैस हैंड सैट हो।

- यात्रियों की सुरक्षा के लिये गुप्तचर एजेन्सीयों के नेटवर्क का सृजन किया जाय।

...) पैदल सड़क / पैदल पुल

1. यात्रा के मुख्य मार्ग के पैदल मार्ग को 6 फीट चौड़ा सी.सी. मार्ग बनाया जाये। जिसमें रैलिंग भी लगाई जाये।
2. यात्रा के सहायक मार्गों पर पैदल मार्ग को सी.सी. मार्ग बनाया जाये।
3. यात्रा के मुख्य व सहायक मार्गों के गधेरों पर जहां भी पैदल पुल का निर्माण/मरम्मत आवश्यक हो बनाये जायें।
4. नारायणबगड़ के पास केवर गधेरे में पैदल पुल की चौड़ाई 4 मीटर रखी जाये।

10) मोटर मार्ग

1. यात्रा मार्ग के समस्त वर्तमान मोटर मार्गों का विस्तारीकरण कर हाटमिक्स किया जाये।
2. जिन क्षेत्रों में मोटर मार्ग अधूरे बने हैं उन्हें पूरा कर हाटमिक्स कर दिया जाये।
3. यात्रा के पड़ाव व मार्ग में वाहनों के पार्किंग स्थल विकसित किये जायें ताकि आवागमन सुगम हो सके।
4. प्रत्येक पड़ाव पर बाईपास मोटर मार्गों का निर्माण किया जाये।

अ) नये मोटर मार्ग का निर्माण

1. नौटी– बैनोली – नौना
2. कांसुवा–महादेव घाट–मिरोली–चांदपुरगढ़ी (स्वीकृत है)
3. सिमतोली–कोटी होते हुए भगोती
4. कोटी – दीवालीखाल
5. रिठोली–ईड़ावधाणी (कारगिल प्रसिद्ध मार्ग स्वीकृत)
6. घाट–धराली–मोटर मार्ग का अवशेष मैंटी से डुंग्री तक
7. सितेल–सुतोल
8. वाण–कनोल–सितेल
9. लोहाजंग–रतगांव
10. जैनबिष्ट–फल्दिया गांव–काण्डई
11. नौटी–ईडावधाणी, कांसुवा, सेम, कोटी, भगोती, कुलसारी, थेपड़ियूं, नन्दकेदारी, फल्दियागांव, मुन्दोली वाण, सुतोल ग, घाट, कुरुड़ में बाईपास मोटर मार्गों का निर्माण
12. बैनोली, उज्जवलपुर मोटर मार्ग का उज्जवलपुर से जसपुर तक अवशेष मोटर मार्ग व आरांगाड़ नदी पर मोटर पुल का निर्माण
13. सिमली–शैलेश्वर मोटर मार्ग के अवशेष कमोल्ट से शैलेश्वर तक मोटर मार्ग का निर्माण
14. नैणी से डुंग्री तक निर्माणाधीन मोटर मार्ग का पूरा करना।
15. नौटी – चौरासैण मोटर मार्ग का अवशेष झुतोली से चौरासैण मार्ग का निर्माण
16. रिठोली बैण्ड से सुन्दरगांव होते हुए नैणी तक निर्माणाधीन मोटर मार्ग का निर्माण
17. उज्जवलपुर से सेम होते हुए सिमतोली तक निर्माणाधीन मोटर मार्ग का निर्माण
18. सिमली–बेनीताल मोटर मार्ग का दीवालीखाल तक निर्माण
19. लोल्टी से कोटी तक के अवशेष भाग का निर्माण
20. तलवाड़ी–बछुवावाण मोटर मार्ग तलवाड़ी से लखण तक
21. मेगड़ी स्टेट से वीना तोली तक मोटर मार्ग
22. लोल्टी–कोटी मोटर मार्ग का माल बग्वाड़ से आगे कोणी तक निर्माण

23. चौण्डली से ल्वींढां स्वीकृत मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य प्रारम्भ है
२५- कर्णप्रयाग में पिण्डर नदी पर स्वीकृत मोटर पुल पर निर्माण पूर्ण कराना
(व) मोटर मार्गो की डबल लाईन / हाट मिक्स

1. कर्णप्रयाग – नौटी– गिरीखाल
2. आदिबद्री – नौटी
3. उज्जवलपुर – सेम – सिमतोली
4. सिमली – बेनीताल
5. सिमली – शैलेश्वर
6. नौटी – छातोली
7. बगोली– कोटी
8. नारायणबगड़ – भगोती –झिंझोणी
9. थराली – वाण
10. नन्दप्रयाग– घाट – सितेल
11. घाट– कुरूड़
12. लोल्टी – कोटी मोटर मार्ग माल वजवाड़ तक
13. सोनला – मैखुरा धारडुंगी
14. कर्णप्रयाग – नैनीसैण
15. कर्णप्रयाग – डिम्मर लिंक
16. नौटी बस स्टेशन से नन्दादेवी मन्दिर तक
17. कांसुवा – चांदपुरगढ़ी
18. ग्वालदम–नन्दकेशरी
19. घाट– थराली मोटर मार्ग दोनों ओर से
20. सणकोट–बंगाली (घाट) नवा मार्ग

11. पोर्टरों की व्यवस्था

1. मुन्दोली में तीर्थ यात्रियों के लिये निर्धारित दर पर हिमालयी क्षेत्र के लिये पर्यटन विभाग पोर्टर व्यवस्था उपलब्ध कर अग्रिम बुकिंग की व्यवस्था हो।
2. तीर्थ यात्रियों के लिये हिमालय क्षेत्र में काम आने वाले कपड़े जूते आदि किराये पर मुन्दोली में उपलब्ध करायें जायें इसके लिये नेहरू पर्वताराहण संस्थान आदि से बातचीत की जाये।

12. खान पान की व्यवस्था

1. खान पान की व्यवस्था के लिये खाने की शुद्धता, रेट के निर्धारण के लिये पूर्ति विभाग व गढ़वाल व कुमांऊ विकास निगम का सहयोग लिया जाये।
2. हिमालयी क्षेत्र में 5 दिन के लिये रेडीमेड भोजन, बिस्कुट, सूखे फलों आदि के लिये निगम वाण में व्यवस्था रखें।
3. दानी संस्थाओं व व्यक्तियों को पड़ाव व यात्रा मार्ग पर लंगर स्थापित करने के लिये आमत्रित किया जाये, जिन्हें स्थ का आवंटन प्रशासन करें।

13. यात्रियों का रजिस्ट्रेशन / बीमा

1. यात्रा में शामिल होने वाले तीर्थ यात्रियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया जाये, जिसमें उनके स्वास्थ्य रिपोर्ट तथा यात्रा में कहां से कहां तक भाग लेंगे की जानकारी मांगी जायें ।
2. यात्रियों को परिचय पत्र दिये जायें।

21. गेहूँ चावल, आटा, चीनी तथा सार्वजनिक वितरण की आवश्यक सामग्री

1. पड़ाव व यात्रा मार्ग पर अस्थायी सरकारी गल्ला, चीनी, आटा, मिट्टी तेल के विक्रेताओं की व्यवस्था हो।
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अर्न्तगत सभी आवश्यक वस्तुऐं सरकारी गल्ले की दुकानों से उपलब्ध करायी जायें।

22. पूर्ण मद्य निषेध

1. यात्रा की पवित्रता व शान्ति व्यवस्था को देखते हुये सम्पूर्ण यात्रा मार्ग व पड़ावों पर पूर्ण मद्य निषेध किया जाये।

23. दुग्ध आपूर्ति

1. यात्रा में दुग्ध आपूर्ति के लिये स्थानीय सरकारी दुग्ध संघों पर दुग्ध समितियों को सक्षम बनाते हुये जिम्मेदार बानाया जाये। पड़ाव में बिक्री केन्द्र स्थापित हों तथा सचल बिकी वाहन पूरे यात्रा मार्ग पर हों, दूध व उसके सभी उत्पाद उपलब्ध हों।

24. अभिलेखीकरण

1. पड़ावों व यात्रा मार्ग का अभिलेखीकरण हेमवन्तीनन्दन बहुगुणा केंद्रीय गढ़वाल वि.वि., कुमाऊं वि.वि., उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, पुरातत्व विभाग, संस्कृति विभाग से कराया जाये।

25. फिल्मीकरण :

1. 1968,1987 व 2000 की यात्राओं की फिल्म /फोटो, लोकगीत, सूचना एंव जन सम्पर्क निदेशालय उ0प्र0, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, आकाशवाणी केन्द्र लखनऊ व नजीबाबाद दूर दर्शन दिल्ली व लखनऊ के पास संरक्षित है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत लोगों के पास भी उपलब्ध है। इन्हें संकलित कर यात्रा से पूर्व एक फिल्म जारी की जाये।
2. यात्रा पडावों व यात्रा मार्ग पर यात्रा से पूर्व आवश्यक जानकारियाँ यात्रा के सन्दर्भ में देने के लिये फिल्म निर्माण कर उसे प्रसारित किया जाये। इस कार्य में भारत सरकार के लिए डिवीजन, दूर दर्शन, पर्यटन मंत्रालय, उत्तराखण्ड के सूचना, संस्कृति व पर्यटन विभाग का सहयोग लिया जाय।
3. सम्पूर्ण यात्रा का फिल्मीकरण हो।
4. व्यवसायिक फिल्मों के निर्माण के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक की जाये फिल्मों से सम्बन्धित विशेषज्ञों की राय ली जाये।

26. दान दाताओं का आवाहन :

यात्रा पड़ाव व यात्रा मार्ग के सौन्दर्यीकरण, लंगर, प्रचार प्रसार, स्वास्थ्य सेवाओं आदि को प्रायोजित करने या सहयोग देने के लिए देशभर की दानी संस्थाओं का आवाहन किया जाये उन्हें स्थान आवंटित हों।

27. उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र का सहयोग :

उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के माध्यम से दूसरों की सहायता से यात्रा से सम्बन्धित नवीनतम वैज्ञानिक आधार पर सर्वेक्षण कराकर योजनाये बनायी जाये। यात्रा का सेटेलाइट बक्सा, पडावों व यात्रा मार्ग में सूचना व सहायता केन्द्रों की स्थापना करायी जाये, सेटेलाइट से यात्रियों की गणना मौसम व यात्रा की जानकारी मोबईलों के माध्यम से उपलब्ध कराने की व्यवस्था हो।

उपग्रहीय सरलचित्र, स्थान पड़ाव का भौगोलिक विवरण डिजीटल द्वारा वेट मेट, नन्दादेवी राजजात गाइड मैप तैयार करना, क्या करें, क्या न करें सहित तथा सेटेलाइट टर्मिनल से यात्रा मार्ग को जोड़ा जाय।

28. नन्दा साहित्य प्रकाशन :

1. उत्तराखण्ड में नन्दा के तीर्थो, नन्दादेवी राजजात से सम्बन्धित इतिहास, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक पहलुओं पर साहित्य का प्रकाशन हो।
2. प्रचार प्रसार की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संस्कृति पर्यटन विभाग उत्तराखण्ड को दी जाये।

29. यात्रा के स्थान व जानकारी के संकेत पट्ट :

1. यात्रा के पडाव व यात्रा मार्ग पर संकेत पट्ट स्थापित हो जिससे इतिहास के साथ साथ सामान्य जानकारी हो।
2. यात्रा मार्ग के मोटर मार्गो पर कि0मी0 स्टोन आवश्यक स्थापित हों।
3. हिमालयी क्षेत्र में कपड़े की झंडियाँ व संकेत पट्ट अवश्य लगायें जायें।

30. प्रसाद :

1. यात्रा पडाव व मार्गो पर स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्थानीय रूप से भगवती के प्रसाद की निर्माण करवाकर बिक्री हेतु उपलब्ध कराया जाये।

31. प्रतीक चिन्ह /उपहार :

1. प्रतीक चिन्ह, उपहार प्रसाद के रूप में छोटी छोटी छतोलियाँ, गेहूँ के नटे या उसके अन्य विकल्प की बनायी ज देवदार, कैल के उत्पादों से उपहार का आकर्षक निर्माण कर विक्री के लिए उपलब्ध कराया जाये। उद्योग विभाग दायित्व दिया जाये।

32. शिक्षा विभाग :

2. पडाव व यात्रा मार्ग के समस्त विद्यालयों के भवनों की मरम्मत, रँगाई पुताई कर उनमें दरियाँ/त्रिपालों की व्यवस्था जाये ताकि यात्रियों को आवास में सुविधा हो।
3. यात्रा मार्ग के सभी हाई स्कूल/इन्टर कॉलिजों में स्काउट, एन.एस.एस व एन.सी.सी की यूनिटें स्थापित हो। व विद्यालयों में बालिकाओं के लिए एन.सी.सी यूनिट खोली जाये।
4. पॉलीथीन उन्मूलन में शिक्षण संस्थाओं का सहयोग लिया जाये।
5. यात्रा मार्ग के सभी विद्यालयों में इको क्लब की स्थापना की जाय। जहाँ भूमि उपलब्ध है। वहाँ पर विद्यालय नर्स स्थापित हों।
6. प्राथमिक से लेकर वि.वि. स्तर तक नन्दादेवी राजजात को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाय उत्तराखण्ड सरकार : कक्षा – 7 की भाषा किरण पुस्तक में प्रकाशित नन्दा राजजात पाठ को प्रकाशित किया गया था जिसे 2 वर्ष पूर्व हट गया उसे पुनः प्रकाशित किया जाय।

33. महिला/युवक मंगल दलों तथा स्थानीय एन.जी.ओ का सुदृढीकरण :

1. पडाव व यात्रा मार्ग के महिला व युवक मुगल दलों का दरी, त्रिपाल, खाने के बर्तन, भजन कीर्तन की सामग्री उ उपलब्ध करायी जाये तथा व्यवस्थाओं में उनकी सहायता ली जाये।
2. सांस्कृतिक एवं अन्य सेवायें देने वाली स्वयं सेवी संस्थाओं को भी प्रोत्साहित कर उन्हे भी उत्तरदायी बनाया जाये।

34. देवी जागरण :

1. प्रत्येक पड़ाव पर भव्य देवी जागरणों का आयोजन मन्दिर क्षेत्र से दूर कराया जाये ताकि मन्दिरों में भीड़ का अधिक दबाब न रहे। इन देवी जागरणो में फिल्मी गाने व अश्लीलता न हो इसका ध्यान रखा जाये।

35. परिवहन :

1. यात्रा के लिये देहरादून, कोटद्वार, हरिद्वार, हल्द्वानी, रामनगर के लिये सीधी बस सेवायें तथा अतिरिक्त बसों/टैक्सियों की व्यवस्था की जाये।
2. सुचारू व नियमित यातायात के लिए डी.जी.बी.आर, लो.नि.वि में अतिरिक्त जे.सी.बी. बुलडोजर तथा मजदूरों की व्यवस्था सुनिश्चित हो ताकि यातायात में कोई परेशानी न हो।
3. जिला पंचायत व गाँव पंचायत में भी पैदल सड़कों की टूटने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त मजदूरों की व्यवस्था हो।

36. पुरातत्व :

1. पुरतत्व विभाग से पडाव व यात्रा मार्ग के मन्दिरों का सर्वेक्षण करवाकर उत्तराखण्ड शैली में उनके सौन्दर्यीकरण की योजना बनायी जाय।
2. गढवाल राज्य की प्रथम राजधानी चाँदपुर गढी का दुर्ग भारत सरकार के पुरातत्व विभाग के अन्तर्गत है। दुर्ग में दक्षिण काली मूर्ति है। श्री नन्दा देवी राजजात में राजपरिवार द्वारा यहाँ पर विशेष पूजा होती है। यात्रा मार्ग पर दुर्ग है। विगत वर्षो में यहाँ पर दक्षिणकाली की मूर्ति चोरी हो गयी है। जिसके स्थान पर नयी मूर्ति स्थापित करने की अनुमति नहीं मिल पा रही है। अनुमति दिला दी जाय ताकि यात्रा से पूर्व यहाँ पर मूर्ति स्थापित हो सके।

37. रूपकुण्ड विश्व धरोहर घोषित हो

समुद्रतल से 16200 फीट की उँचाई पर अदभुत रहस्मयी रूपकुण्ड को विश्वधरोहर घोषित किया जाय जिसमें 7000 वर्ष से अधिक अवधि के नरकंकाल आदि संरक्षित है। जिन्हे चोरी किया जा रहा है।

दिनांक : 14 मार्च 2012

भवदीय

(भुवन नौटियाल)
महामंत्री

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु
1. सम्मनित सदस्य लोकसभा/राज्य सभा/विधान सभा/अध्यक्ष जिला पंचायत
2. सम्मानित मंत्री उत्तराखण्ड सरकार
3. आयुक्त गढवाल /कुमाउँ मंडल
4. जिलाधिकारी चमोली/बागेश्वर /अल्मोड़ा/नैनीताल

(भुवन नौटियाल)
महामंत्री

श्री नन्दादेवी राजजात 2000 में शामिल होने वाले देवी देवताओं की सूची

1.	अल्मोड़ा	1
2.	असेड़	1
3.	ईणा सणकोट	1
4.	कांखड़ा	1
5.	कोण	2
6.	किमोली	1
7.	कुमजुंग	2
8.	कूनी पार्था	1
9.	कोलपुड़ी	1
10.	कूनी	12
11.	कूरुड़ (दशोली डोली के साथ)	9
12.	कूरुड़ (वधाण डोली के साथ)	9
13.	कूरुड़ (अलग से दाक्षिण काली छंतोली)	1
14.	कनखुल	1
15.	कुराड़	5
16.	कड़ाकोट	1
17.	काण्डई	1
18.	कनोल	1
19.	कण्डवाल	1
20.	किरूली	1
21.	कानाग्वाड़	1
22.	कोहा	1
23.	खुनाना (घाट)	1
24.	खल्धरा	1
25.	खैनूरी	2
26.	खैनूड़ा	1
27.	खुनाना	3
28.	गाड़ी	1
29.	गैरोली	1
30.	धूनी	3
31.	चमोला	1
32.	चूलाकोट	1
33.	चिडिंगा तल्ला	1
34.	चरबंग	1
35.	जुनेर	1

74.	वांक	2
75.	बेराधार	2
76.	बुरसोली	4
77.	भैटी	1
78.	भवंग्याला	2
79.	भगोती	1
80.	मैठाणा	2
81.	मैटा	1
82.	मीग (बैनोली)	1
83.	मानखी	1
84.	मटई	1
85.	मलेठी	1
86.	मैन	1
87.	मल्ला	1
88.	मैटा मल्ला	2
89.	मगोठी	1
90.	मैड	2
91.	मलकोट	1
92.	थाला	1
93.	मालबज्वाड़	1
94.	मेल्ठा	1
95.	रतगांव	11
96.	रैंस	1
97.	रतूड़ा	1
98.	राइकोली	1
99.	रांगतोली	1
100.	रविग्राम	1
101.	रामणी	4
102.	ल्वांणी (घाट)	1
103.	लोसरी	1
104.	लांखी	6
105.	लुन्धरा	1
106.	ल्वांणी (बधांणा)	3
107.	लासी	2
108.	लस्यिारी	2
109.	सणकोट	3
110.	सिमली (बधाण)	1
111.	सेम	1

36	जस्यारा	1
37.	जाख	1
38.	टुंडरी	3
39.	ठेली (पलेठी)	1
40.	डूँगी	1
41.	डिम्मर	1
42.	ढुंगा खोली	2
43.	थापली	1
44.	दशमद्वार डोली के साथ छंतोली	2
45.	देवल	1
46.	दुर्मी (पगना)	1
47.	देवलग्वाड़	1
48.	देवराड़ा	1
49.	धार तल्ला	1
50.	नाखोली	1
51.	नौना	1
52.	नौटी राजछंतोली	1
53.	नैंणी	1
54.	नौना	1
55.	नवा	1
56.	नैनीताल	1
57.	पांणा	1
58.	पैंटी	1
59.	पलेठी	1
60.	पगना	4
61.	पैनगढ़	1
62.	पैठाणी	1
63.	ज्मण बेरा	1
64.	बंगाली	1
65.	बगोली	1
66.	बूरा	1
67.	बिरमाल गॉव (बिनायक)	1
68.	बैनोली तल्ली	1
69.	बैरासकुण्ड़	2
70.	बिनायक	1
71.	बूंगा (ना.बगड़)	1
72.	बूंगा (देवाल)	2
73.	बैनोली (भींग गधेरा)	1